Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani (Lnmu)

Class - B.A - 2 (Subsidiary)

Page No. ______
Date ______

Topic - लोकसदन (रचना)
(House of Commons)

ब्रिटिश शासन-व्यवस्था के अन्तर्गत लोकसदन को बहुत ही शक्तिशाली स्थान प्राप्त है। ब्रिटिश शासन-व्यवस्था के अन्तर्गत संसद की प्रभुसत्ता का जो उल्लेख किया जाता है आज इसका तात्पर्य लोकसदन और लॉर्ड सभा की प्रभुसत्ता से नहीं, बल्कि लोकसदन की प्रभुसत्ता से ही होता है। 1911 और 1949 के संसदीय अधिनियम पारित होने के बाद वर्तमान समय में जो स्थिति है इसके सम्बन्ध में न्यूमैन के शब्दों में कहा जा सकता है कि "संसद की प्रभुसत्ता लोकसदन में निवास करती है।"

लोकसदन की रचना

ब्रिटिश लोकसदन के सदस्यों की संख्या 659 है। लोकसदन के समस्त सदस्य वयस्क मताधिकार और प्रत्यक्ष निर्वाचन के आधार पर चुने जाते हैं और जून 1970 में किये गये परिवर्तन के अनुसार 18 वर्ष की आयु प्राप्त प्रत्येक नर-नारी को मताधिकार प्रदान कर दिया गया है। वयस्क मताधिकार की इस व्यवस्था के अन्तर्गत विदेशियों, देशद्रोही तथा घोर अपराध के लिए दण्डित व्यक्तियों तथा पागल या दिवालिया प्रमाणित व्यक्तियों

Scanned with CamScanner

को मताधिकार प्राप्त नहीं है।

कार्यकाल — लोकसदन का कार्यकाल पांच वर्ष का है किन्तु आवश्यकता नुसार इस कार्यकाल मे वृद्धि की जा सकती है जैसा कि प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के काल मे किया गया। प्रधानमंत्री की सिफारिश पर सम्राट द्वारा लोकसदन को पांच वर्ष की अवधि व्यतीत होने के पूर्व भी विघटित किया जा सकता है

लोकसदन के पदाधिकारी :— लोकसदन का सबसे प्रमुख अधिकारी अध्यक्ष होता है जिसे नवीन संसद के निर्माण के बाद लोकसदन के सदस्यो द्वारा निर्वाचित किया जाता है। अन्य संसदीय अधिकारियो मे 'साधन समिति' का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष प्रमुख होते है जिनका चुनाव भी लोकसदन के सदस्यों द्वारा ही किया जाता है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति मे 'साधन समिति' का अध्यक्ष और उसकी भी अनुपस्थिति मे साधन समिति का उपाध्यक्ष सदन की अध्यक्षता करता है।

सदन का अधिवेशन — लोकसदन का अधिवेशन लार्ड सभा के साथ ही प्रारम्भ होता है। ग्रेट ब्रिटेन मे यह परम्परा है कि वर्ष मे एक अधिवेशन अवश्य ही बुलाया जाय। आवश्यकता नुसार अधिक अधिवेशन बुलाये जा सकते है। गणपूर्ति के लिए सदन मे 40 सदस्य होने चाहिए।

Ashutosh Kumar